भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3142
08 अगस्त, 2023 को उत्तरार्थ

विषय: उत्तर प्रदेश में बागवानी का विकास

3142. श्री रमेश बिन्द:

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में विशेषकर उत्तर प्रदेश के उन क्षेत्रों में बागवानी के विकास के लिए कोई रूपरेखा तैयार की है जहां की मिट्टी बागवानी के लिए उपयुक्त है;

(ख) क्या सरकार ने बागवानी में रुचि रखने वाले किसानों को प्रशिक्षित करने के लिए कोई पहल की है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क): देश में बागवानी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए वर्ष 2014-15 से एक केंद्र प्रायोजित योजना, समेकित बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) का कार्यान्वयन किया जा रहा है जिसमें फल, सब्जियां, जड़ और कंद वाली फसलें, मशरूम, मसाले, फूल, सुगंधित पौधे, नारियल, काजू और कोको कवर हैं। एमआईडीएच के तहत, बागवानी फसलों का चयन मृदा सहित कृषि-जलवायु परिस्थितियों के साथ उनकी उपयुक्तता के आधार पर किया जाता है। उत्तर प्रदेश सहित सभी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र एमआईडीएच के अंतर्गत आते हैं।

एमआईडीएच के तहत, पूरे देश में बागवानी को बढ़ावा देने के लिए, निम्नलिखित प्रमुख हस्तक्षेपों/गतिविधियों के लिए राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है:

- गुणवत्तापूर्ण बीज और रोपण सामग्री के उत्पादन के लिए नर्सरी, टिशू कल्चर इकाइयों की स्थापना।
- क्षेत्र विस्तार अर्थात फलों, सब्जियों और फूलों के लिए नए बाग-बगीचों की स्थापना।
- अनुत्पादक, पुराने और जीर्ण बगीचों का कायाकल्प।
- उत्पादकता में सुधार लाने और बेमौसमी उच्च मूल्य वाली सब्जियां और फूल उगाने के लिए संरक्षित खेती, अर्थात पॉली-हाउस, ग्रीन-हाउस आदि।
- जैविक खेती और प्रमाणीकरण।
- जल संसाधन संरचनाओं का निर्माण और वाटरशेड प्रबंधन।
- परागण के लिए मधुमक्खी पालन।
- बागवानी यंत्रीकरण।
- फसलोपरांत प्रबंधन और विपणन अवसंरचना का निर्माण।

(ख) एवं (ग): एमआईडीएच के तहत, मानव संसाधन विकास (एचआरडी) का एक घटक है और जागरूकता कार्यक्रम, किसान के प्रशिक्षण, एक्सपोज़र विजिट आदि के लिए इस घटक के तहत सहायता प्रदान की जाती है। बागवानी फसलों से संबंधित उत्पादन और फसलोपरांत प्रबंधन पर नवीनतम प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

एमआईडीएच योजना की शुरुआत के बाद से अर्थात वर्ष 2014-15 से 2022-23 तक, देश में एमआईडीएच के तहत कुल 9.00 लाख किसानों को प्रशिक्षित किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य के 32847 किसान शामिल हैं।

******